भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन की सूची (List of Indian National Movement in Hindi)

यहाँ भारतीय राष्ट्रीय आंदोलनों की एक सूची दी गई है:

- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना- 28 दिसंबर 1885
- स्वदशी और बहिष्कार संकल्प- 1905
- मुस्लिम लीग की स्थापना- 1906
- गदर आंदोलन -1913
- होम रूल मूवमेंट- अप्रैल 1916
- चंपारण सत्याग्रह - 1917
- खेडा सत्याग्रह - 1917
- अहमदाबाद मिल स्ट्राइक - 1918
- रॉलैट एक्ट सत्याग्रह फरवरी- 1919
- असहयोग आंदोलन- 1920
- सविनय अवज्ञा आंदोलन- 1930
- भारत आंदोलन छोड़ो- 1942

कांग्रेस के गठन से पूर्व की राजनीतिक संस्थायें

- 1836 बंगभाषा प्रकाशक सभा
- 1838 जमींदारी एसोसिएशन
- 1843 बंगाल ब्रिटिश इंडिया सोसायटी
- 1851 ब्रिटिश इंडिया एसोसिएशन
- 1866 ईस्ट इंडिया एसोसिएशन
- 1867 पूना सार्वजनिक सभा
- 1875 इण्डियन लीग
- 1876 कलकत्ता भारतीय एसोसिएशन
- 1884 मद्रास महाजन सभा
- 1885 बाम्बे प्रेसीडेंसी एसोसिएशन

(Indian National Movement) भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन 1885 से 1947

भारत की स्वतंत्रता के लिए पूरी लड़ाई के दौरान यहां महत्वपूर्ण घटनाएं हैं:

1857 का विद्रोह

1857 का विद्रोह भारतीय स्वतंत्रता के लिए पहला युद्ध था। इसकी शुरुआत 10 मई, 1857 को मेरठ में हुई थी। यह ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ पहला बड़े पैमाने पर विद्रोह था।विद्रोह असफल रहा लेकिन इसने जनता पर एक बड़ा प्रभाव डाला और भारत में पूरे स्वतंत्रता आंदोलन को उभारा। मंगल पांडे क्रांति के प्रमुख हिस्सों में से एक थे क्योंकि उन्होंने अपने कमांडरों के खिलाफ विद्रोह की घोषणा की और ब्रिटिश अधिकारी पर पहला गोली चलाई।

स्वदेशी बहिष्कार आंदोलन

20 वीं शताब्दी की शुरुआत में, ब्रिटिशों ने राष्ट्रवाद की एकता को कमजोर करने के उद्देश्य से बंगाल के विभाजन की घोषणा की। प्रमुख Indian National Movement के बीच, स्वदेशी बॉयकॉट आंदोलन वर्ष 1903 में बंगाल के विभाजन के खिलाफ एक प्रतिक्रिया के रूप में सामने आया, लेकिन जुलाई 1905 में औपचारिक रूप से घोषणा की गई और पूरी तरह से अक्टूबर 1905 से लागू हुआ।इसके दो प्रमुख चरणों में विभाजित किया गया था।

विभाजन विरोधी आंदोलन

सुरेन्द्रनाथ बेनेर्जी, के.के. मित्रा और दादा भाई नारोजी जैसे नरमपंथियों के नेतृत्व में, इस Indian National Movement का प्रारंभिक चरण 1903-1905 तक हुआ। विभाजन विरोधी आंदोलन सार्वजनिक बैठकों, ज्ञापन, याचिकाओं आदि के माध्यम से किया गया था।

स्वदेशी और बहिष्कार आंदोलन

1905 से 1908 तक, बिपिन चंद्रा पाल, टीला, लाला लाजपत राय और अरबिंदो घोष जैसे चरमपंथियों द्वारा स्वदेशी और बहिष्कार आंदोलन शुरू किया गया था। आम जनता को विदेशी वस्तुओं के उपयोग से परहेज करने के लिए कहा गया और उन्हें भारतीय घर के सामान के साथ स्थानापन्न करने के लिए प्रेरित किया गया। भारतीय त्योहारों, गीतों, कविताओं और चित्रों जैसी प्रमुख घटनाओं का उपयोग इस Indian National Movement को प्रचारित करने के लिए किया गया था।

होम रूल लीग मूवमेंट

आम आदमी में स्व-शासन की भावना को व्यक्त करने और प्रचारित करने के लिए, यह Indian National Movement भारत में किया गया था क्योंकि यह आयरलैंड में एक साथ हुआ था। मुख्य रूप से, नीचे दिए गए लीगों ने समाचार पत्रों, पोस्टरों, पैम्फलेट्स आदि का उपयोग करके होम रूल लीग मूवमेंट के समूह में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

- बाल गंगाधर तिलक लीग अप्रैल 1916 में शुरू हुई थी और महाराष्ट्र, कर्नाटक, बरार और मध्य प्रांतों में फैल गई थी।
- एनी बेसेंट लीग सितंबर 1916 में देश के विभिन्न अन्य हिस्सों में शुरू हुई।

सत्याग्रह

पहला सत्याग्रह आंदोलन का नेतृत्व वर्ष 1917 में बिहार के चंपारण जिले में महात्मा गांधी ने किया था। चंपारण जिले में दसियों हज़ार भूमिहीन सर्फ़ थे। दबाए गए इंडिगो खेती करने वालों में से एक, पंडित राज कुमार शुक्ला ने गांधी को इस आंदोलन का नेतृत्व करने के लिए राजी किया। इसके कारण अन्य सत्याग्रह आंदोलन हुए।

खिलाफत असहयोग आंदोलन

असहयोग आंदोलन ब्रिटिशों के खिलाफ भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष में सबसे प्रसिद्ध और महत्वपूर्ण चरणों में से एक था। जिन प्रमुख कारणों से यह आंदोलन हुआ, वे इस प्रकार हैं।

- खलीफा के बीमार व्यवहार, ब्रिटिशों द्वारा मुसलमानों के आध्यात्मिक नेता ने भारत और दुनिया भर में पूरे मुस्लिम समुदाय को उत्तेजित किया।
- देश में बिगड़ती आर्थिक स्थिति के साथ-साथ जलियानवाला बाग नरसंहार, रॉलैट अधिनियम आदि जैसी प्रमुख घटनाएं मुख्य कारण थीं कि यह एक महत्वपूर्ण भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन कैसे बन गया।

असहयोग आंदोलन को आधिकारिक तौर पर अगस्त 1920 में खलीफा समिति द्वारा शुरू किया गया था। साथ ही, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने दिसंबर 1920 में अपने नागपुर सत्र के बाद आंदोलन को अपनाया। जिसके बाद सरकारी सामानों, स्कूलों, कॉलेजों, भोजन, कपड़ों आदि का पूरा बहिष्कार हुआ और राष्ट्रीय स्कूलों में अध्ययन पर जोर दिया गया और खादी उत्पादों का उपयोग किया गया। 5 फरवरी, 1922 के, चौरी चौरा घटना हुई, जिसमें 22 पुलिसकर्मियों के साथ पुलिस स्टेशन को जला दिया गया था। इसके कारण महात्मा गांधी द्वारा इस भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को बंद कर दिया गया।

साइमन कमिशन

यह बात भारत की स्वतंत्रता से पहले वर्ष 1928 की है, जब 7 सांसदों का एक समूह ब्रिटेन से भारत आया था। उनका मुख्य उद्देश्य और भारत का दौरा करने का उद्देश्य constitutional reforms पर एक व्यापक अध्ययन करना था, ताकि तत्काल Ruling government को सिफारिशें दी जा सके। इसे मूल रूप से भारतीय संवैधानिक आयोग Indian statutory Commission कहा जाता था। इसके अध्यक्ष Sir John Simon सर जॉन साइमन के नाम के बाद, Simon commision का नाम रखा गया। यह सर जॉन साइमन के नेतृत्व में था, एक अंग्रेजी आधारित समूह भारत का दौरा कर रहा था। Simon Commission के इन प्रतिनिधियों ने जमीन पर लहर प्रभाव पैदा किया, जवाहरलाल नेहरू, गांधी, जिन्ना, मुस्लिम लीग और इंडियन नेशनल कांग्रेस जैसे प्रसिद्ध राजनेताओं से मजबूत प्रतिक्रिया देखी गईं। रिपोर्ट तैयार करते समय उन्हें विश्वास में नहीं लिया गया।

सविनय अवज्ञा आंदोलन

सबसे प्रमुख Indian National Movement में से एक, सविनय अवज्ञा चरण को दो चरणों में वर्गीकृत किया गया है।

पहला सविनय अवज्ञा आंदोलन

12 मार्च 1930 को महात्मा गांधी द्वारा दांडी मार्च के साथ सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू किया गया था। अंतर, यह 6 अप्रैल को समाप्त हुआ जब गांधी ने दांडी में नमक कानून को तोड़ दिया।बाद में, आंदोलन को सी। राजगोपालाचारी द्वारा आगे बढ़ाया गया। महिलाओं, किसानों और व्यापारियों की बड़े पैमाने पर भागीदारी हुई

और देश भर में फैले इस Indian National Movement के रूप में नमक सत्याग्रह, नो-टेक्स आंदोलन और नो-रेंट आंदोलन द्वारा सफल हुआ। बाद में, यह मार्च 1931 में गांधी-इरविन संधि के कारण वापस ले लिया गया।

दूसरा सविनय अवज्ञा आंदोलन

दूसरे गोलमेज सम्मेलन की असफल संधि के कारण दिसंबर 1931 से अप्रैल 1934 तक दूसरे नागरिक अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत हुई। इससे शराब की दुकानों, नमक सत्याग्रह, वन कानून के उल्लंघन जैसे विभिन्न व्यवहार हुए। लेकिन ब्रिटिश सरकार आगामी घटनाओं से अवगत थी, इस प्रकार, इसने गांधी के आश्रमों के बाहर सभाओं पर प्रतिबंध के साथ मार्शल लॉ लागू किया।

भारत आंदोलन छोड़ो (Quit India Movement)

1942 में क्विट इंडिया मूवमेंट के लॉन्च के पीछे मुख्य कारण यह है कि यह शक्तिशाली भारतीय राष्ट्रीय आंदोलनों में से एक बन गया है:।

- क्रिप्स प्रस्ताव की विफलता भारतीयों के लिए जागृत कॉल बन जाती है।
- विश्व युद्ध द्वारा लाई गई कठिनाइयों के साथ आम जनता का असंतोष।

कांग्रेस के महत्वपूर्ण अधिवेशन

कांग्रेस अधिवेशन	महत्वपूर्ण तथ्य
1887 मद्रास	सर्वप्रथम देशी भाषाओं में भाषण
1888 इलाहबाद	प्रथम बार कांग्रेस संविधान का निर्माण,अध्यक्ष जॉर्ज यूल, प्रथम ईसाई अध्यक्ष
1889 मुंबई	मताधिकार की आयु 21 वर्ष, सार्वभौम मताधिकार की मांग
1891 नागपुर	कांग्रेस ने अपना संविधान पारित किया
1893 लाहौर	भारत में सिविल सेवा परीक्षा के आयोजन की मांग
1896 कलकत्ता	प्रथम बार वन्दे मातरम का गायन
1905 बनारस	स्वराज्य प्राप्ति का संकल्प पारित, अनिवार्य शिक्षा पर बल
1907 सूरत	कांग्रेस का प्रथम विभाजन
1909 लाहौर	कांग्रेस का रजत जयंती अधिवेशन
1911 कलकत्ता	राष्ट्रगान का प्रथम बार गायन

1916 लखनऊ	प्रथम विभाजन समाप्त, कांग्रेस लीग समझौता
1918 दिल्ली	कांग्रेस का दूसरा विभाजन, उदारवादी कांग्रेस से अलग हो गए
1920 नागपुर	तिलक द्वारा स्वराज पार्टी का गठन,भाषाई अधार पर प्रान्तों के गठन की मांग
1920 कलकत्ता (विशेष अधिवेशन)	असहयोग कार्यक्रम को स्वीकृति
1921 अहमदाबाद	प्रथम बार राष्ट्रीय ध्वज का आरोप,अध्यक्ष चितरंजन दास, लेकिन जेल में होने के कारण अध्यक्षता हकीम अजमल खां ने की
1924 बेलगाम (कर्नाटक)	अध्यक्षता महात्मा गाँधी ने की
1925 कानपुर	अध्यक्ष हसरत मोहानी, पूर्ण स्वधीनता का प्रस्ताव रखा गया
1926 गुवाहाटी	-कांग्रेसियों के लिए खद्दर पहनना अनिवार्य
1927 मद्रास	साइमन आयोग के बहिष्कार का प्रस्ताव रखा गय
1929 लाहौर	अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरु, पूर्ण स्वराज्य का प्रस्ताव रखा गया

क्रांतिकारी आंदोलन के मुख्य कारण (काण्ड)

- 1909-1910 में नासिक काण्ड वी.डी. सावरकर को आजीवन कारावास
- अलीपुर काण्ड- अरविन्द घोष पर मुकदमा
- 1908मे ढाका काण्ड- पुलिन दास को 7 साल की सजा
- 1915 में दिल्ली काण्ड- लार्ड हार्डिंग पर बम फेंकने का मामला
- 1916 में रेशमी पत्र काण्ड
- 1925 में काकोरी काण्ड- लखनऊ के पास रेल लूट
- 1930 में लाहौर काण्ड- भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरु को फांसी
- 1922-1924 में पेशावर काण्ड- भारत में साम्यवादियों को पकड़ना
- 1924 में कानपुर काण्ड- साम्यवादियों की गिरफ़्तारी
- 1929-1933 में मेरठ काण्ड- श्रमिकों एवं साम्यवादियों पर मुकदमा

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलनों के लिए महत्वपूर्ण संगठन

Indian National Movement के दौरान कई संगठन बनाए गए थे, उनके बारे में पढ़ें:

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना 28 दिसंबर 1885 को हुई थी। इसकी स्थापना बॉम्बे के गोकुलदास तेजपाल संस्कृत स्कूल के परिसर में हुई थी। अध्यक्ष डब्ल्यू.सी. बनर्जी, इसमें 72 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। ए.ओ. ह्यूम ने INC की नींव में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुस्लिम लीग

मुस्लिम लीग की स्थापना 1906 में आगा खान III और मोहशिन मुल्क ने 1906 में की थी। इसका गठन भारतीय मुसलमानों के अधिकारों की रक्षा के लिए किया गया था।

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन का इतिहास **(1857-1947** ई.) विषय-सूची

1. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन का इतिहास जानने के साधन
2. अंग्रेजी शासन का प्रतिरोध एवं 1857 ई. का प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम
3. भारत में सामाजिक-धार्मिक आन्दोलन
4. 1858 ई., 1861 ई. व 1892 ई. के अधिनियम
5. राजनीतिक जागृति, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना एवं उदारवादी आन्दोलन
6. स्वदेशी आन्दोलन
7. उग्रवादी आन्दोलन
8. युद्ध के वर्ष एवं भारतीय राष्ट्रवाद का विकास
9. क्रान्तिकारी आन्दोलन
10. 1909 ई. एवं 1919 ई. के भारतीय अधिनियम
11. खिलाफत आन्दोलन
12. जलियांवाला काण्ड एवं असहयोग आन्दोलन
13. स्वराज्य दल का उदय एवं 1929 ई. तक प्रमुख राजनीतिक घटनाएं
14. सविनय अवज्ञा आन्दोलन एवं गोलमेज सम्मेलन
15. 1935 ई. का अधिनियम व प्रान्तों में कांग्रेसी मन्त्रिमण्डल
16. मुस्लिम साम्प्रदायिकता का विकास
17. भारत में वामपन्थी आन्दोलन
18. कृषक संगठन तथा व्यापार संघ आन्दोलन
19. क्रिप्स योजना तथा भारत छोड़ो आन्दोलन
20. सुभाषचन्द्र बोस, आजाद हिन्द फौज एवं जल एवं वायु सेना में विद्रोह
21. विभाजन की भूमिका, विभाजन एवं स्वतन्त्रता प्राप्ति
22. रियासतों का विलय एवं भारतीय संविधान की प्ररमुख विशेषताएं
23. आधुनिक भारत के प्रमुख व्यक्तित्व

Books

प्रमुख पुस्तकें	लेखक
द इंडियन डायरी	मांटेग्यु

द इंडियन स्ट्रगल	सुभाष चन्द्र बोस
पीजेंट्री ऑफ़ बंगाल	आर.सी. दत्त
इकोनोमिक हिस्ट्री ऑफ़ इंडिया	आर.सी. दत्त
फालेन फ्लावर्स	कुमार आसन
दुर्गेश नंदिनी	बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय
आनंद मठ	बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय
भवानी मंदिर	अरविन्द घोष
न्यू लैम्प्स कार ओल्ड	अरविन्द घोष
हिन्द स्वराज	महात्मा गाँधी
गोरा	रविन्द्र नाथ टैगोर
राइज ऑफ़ द मराठा पॉवर	एम.जी. रानाडे
एसेज ईद इंडियन इकॉनमी	एम.जी. रानाडे
गीता रहस्य	बाल गंगाधर तिलक
द पावर्टी एंड अन ब्रिटिश रुल इन इंडिया	दादा भाई नैरोजी
सोज-ए-वतन	प्रेमचंद
कर्मयोग	विवेकानंद
इंडियन मुस्लिम डब्ल्यू हंटर गण देवता	ताराशंकर बंधोपाध्याय
गाँधी वर्सेज लेनिन	एस.ए. डांगे
इंडिया इन ट्रांजिशन	एम.एन. रॉय
इण्डिया विन्स फ्रीडम	अब्दुल कलम आजाद
इंडिया टुडे	आर. पी. दत्त
पाथेर पंचाली	विभूति भूषण बनर्जी

Indian National Movement in Hindi MCQ

1.भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना के समय निम्नलिखित में कौन वायसराय था**?**
(A) लॉर्ड कैनिंग
(B) लॉर्ड डफरिन
(C) लॉर्ड मेयो
(D) लॉर्ड लिटन

Ans B लॉर्ड डफरिन

2.दांडी साल्ट मार्च का नेतृत्व किसने किया था**?**
(A) महात्मा गांधी
(B) जवाहर लाल नेहरू
(C) सुभाष चंद्र बोस
(D) बाल गंगाधर तिलक

Ans A महात्मा गांधी

3."यंग इंडिया**"** के रचियता कौन थे**?**
(A)महात्मा गाँधी
(B) लाला लाजपत राय
(C) बाल गंगाधर तिलक
(D) मोतीलाल नेहरु

Ans A महात्मा गाँधी

4.बंगाल का विभाजन कब हुआ**?**
(A)1904
(B)1905
(C)1907
(D)1911

Ans (B) 1905

5.ग़दर पार्टी के संस्थापक कौन थे**?**
(A)बरकत उल्ला
(B) भगत सिंह
(C) मदन लाल धींगरा
(D) लाला हरदयाल

Ans (D) लाला हरदयाल

6.खिलाफत आंदोलन किसके द्वारा शुरू किया गया था**:**
(A) मुहम्मद अली जिन्ना
(B) डॉ. जाकिर हुसैन
(C) फखरुद्दीन अली अहमद

(D) अली ब्रदर्स

Ans (D) अली ब्रदर्स

7.हिंदू और मुसलमानों के लिए अलग निर्वाचक मंडल का प्रावधान किया गया था**:**
(A) भारत सरकार अधिनियम**, 1935**
(B) मोंटेग्यू चेम्सफोर्ड सुधार
(C) मिंटो**-**मॉर्ले सुधार
(D) माउंटबेटन योजना

Ans (C)मिंटो-मॉर्ले सुधार

8. किस सत्र में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने पूर्णा स्वराज **(**पूर्ण स्वतंत्रता**)** को अपना लक्ष्य घोषित किया**?**
(A) लाहौर**, 1929**
(B) लखनऊ**, 1916**
(C) त्रिपुरी**, 1939**
(D) लाहौर**, 1940**

Ans (A) लाहौर, 1929

9.जलियांवाला बाग हत्याकांड से पहले कौन सी महत्वपूर्ण घटना हुई थी**?**
(A) सांप्रदायिक पुरस्कार
(B) साइमन कमीशन का आगमन
(C) गैर**-**सहयोग आंदोलन
(D) रौलट एक्ट अधिनियमन

Ans (D) रौलट एक्ट अधिनियम

10. ब्रिटिश द्वारा हंटर कमीशन की नियुक्ति की गई**:**
(A) चौरी**-**चौरा की घटना
(B) जलियाँवाला बाग त्रासदी
(C) खिलाफत आंदोलन
(D) गैर**-**सहयोग आंदोलन

Ans (B) जलियाँवाला बाग त्रासदी

Indian National Movement in Hindi for UPSC

1.किस अधिनियम को **'**ब्लैक**-**बिल**'** के नाम से जाना जाता है**?**

Ans. रौलट एक्ट

2.कूका आंदोलन निम्नलिखित में से किस राज्य से संबंधित है**?**

Ans. पंजाब

3.स्वराज की मांग **1929** के ऐतिहासिक लाहौर अधिवेशन की अध्यक्षता में की थी**?**

Ans. जवाहरलाल नेहरू

4.उस समय ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कौन थे जब साइमन कमिशन को भारत में **1928** में भेजा गया था**?**

Ans. स्टेनले ब्लैडविन

5.भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना के समय में वायसराय कौन था**?**

Ans. लॉर्ड डफरिन

6.भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना कब हुई**?**

Ans. 28 दिसंबर 1885

7. 1857 का विद्रोह कब हुआ था**?**

Ans . 10 मई, 1857

8. भारत के प्रथम महिला विश्वविद्यालय की स्थापना किसके द्वारा की गई थी **?**

Ans. डीके कर्वे

9. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस **(1916)** के लखनऊ अधिवेशन के अध्यक्ष कौन थे**?**

Ans. अंबिका चरण मजूमदार

10. दांडी साल्ट मार्च की शुरुआत कब हुई**?**

Ans. 12 मार्च 1930